



॥ वरुण देव आराधना ॥
॥ ॐ अपां पतये वरुणाय नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ वरुण देव आराधना ॥

वरुण देव हिंदू धर्म में जल, समुद्र, नदियों, वर्षा, सत्य और ऋत (ब्रह्मांडीय व्यवस्था) के अधिष्ठाता देवता माने जाते हैं। ऋग्वेद में उनका अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उनकी आराधना से मानसिक शांति, स्वास्थ्य, समृद्धि, जल संबंधी बाधाओं से मुक्ति तथा जीवन में संतुलन की कामना की जाती है।

पूजा विधि

प्रातः स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
पश्चिम दिशा की ओर मुख करके आसन ग्रहण करें।
तांबे या मिट्टी के कलश में स्वच्छ जल भरकर उस पर पुष्प, अक्षत और चंदन अर्पित करें।
दीपक एवं धूप जलाकर वरुण देव का ध्यान करें।
निम्न मंत्र का 11, 21 या 108 बार जप करें।

मूल मंत्रः

ॐ अपां पतये वरुणाय नमः।

ध्यान मंत्र

शान्ताकारं जलाधीशं मकरासन संस्थितम्।
पाशहस्तं महातेजं वरुणं प्रणमाम्यहम्॥

प्रार्थना

हे वरुण देव!

आप समस्त जल के स्वामी, सत्य और धर्म के रक्षक हैं।
मेरे जीवन से रोग, भय, क्लेश और अशांति को दूर करें।
मुझे उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और सद्बुद्धि प्रदान करें।
आपकी कृपा से मेरे परिवार में शांति और मंगल बना रहे।

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥

पूजा का शुभ समय

प्रतिदिन प्रातःकाल।

विशेष रूप से ज्येष्ठ मास तथा वर्षा ऋतु में वरुण देव की पूजा शुभ मानी जाती है।

आराधना के लाभ

जल तत्व का संतुलन।

मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा।

उत्तम स्वास्थ्य एवं रोगों से रक्षा की कामना।

वर्षा, कृषि और समृद्धि की प्रार्थना।

सत्य, अनुशासन और धर्म के पालन की प्रेरणा।

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"